Title: Demanded early release of four members belonging to Rashtriya Swayam Sewak Sangh (RSS) kidnapped by the National Liberation Front of Tripura (N.L.F.T.).

श्री लाल बिहारी तिवारी : महोद्य, त्रिपुरा को भारत से अलग कर एक स्वतन्त्र राद्र बनाने के लिए नेशनल लिब्रेशन फ्रन्ट आफ त्रिपुरा (एन.एल.एफ.टी.) नामक उग्रावादी संगठन बना है। उसके नाम से ही उसके उद्देश्य का पता लगता है।

एनएलएफटी ने पिछले छः सालों में 1757 लोगों का अपहरण किया और उनमें से 120 की हत्या कर दी, शे भारी फिरौती देकर छूटे। 1724 लगों को मार दिया गया है। सेना तथा अर्द्धसैनिक बलों के 168 जवान भी उग्रवाद के शिकार हुए हैं।

इन्हीं लोगों ने पिछले साल 6 अगस्त को राट्रीय स्वयं सेवक संघ के चार प्रमुख कार्यकर्ताओं का अपहरण कर लिया था। अपहृत कार्यकर्ता हैं- पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र कार्य् वाहक श्री श्यामलकांत सेनगुप्त, प्रांत शारीरिक प्रमुख श्री दिनेन्द्र नाथ दे, त्रिपुरा राज्य प्रचारक श्री सुधाम्य दत्त, जिला प्रचारक श्री शुभंकर चक्रवर्ती।â€¦(व्यवधान) मुख्य मंत्री जी ने भी स्वीकार किया है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इनकी रिहाई करने के लिए केन्द्र सरकार की तरफ से विशे रूप से वहां प्रयास किया जाना चाहिए।